### शाला त्यागी बच्चों के प्रेरक बने मुख्यमंत्री

# बकरी चराने वाले बच्चे जाएँगे स्कूल

हरियाली महोत्सव के शुभारंभ के सिलसिले में जबलपुर जिले के बरगी क्षेत्र के बरबटी ग्राम पंचायत के प्रेमनगर में 14 जुलाई को मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान का आना उन पांच बच्चों के जीवन में शिक्षा की नई रोशनी बनकर आया, जो किन्हीं कारणों से स्कूल जाना बन्द कर बीच में ही पढ़ाई छोड़ चुके थे।

स्कूल चलें हम अभियान के दौरान हुए सर्वेक्षण में पता चला कि बरबटी पंचायत के कमलेश, अमर सिंह, अनिकेत, पंचम और दुर्गेश पिछले कई माहों से स्कूल नहीं जा रहे हैं। बच्चों और उनके अभिभावकों ने स्कूल न आने के अपने-अपने कारण बताये। चौथी तक पढ़ा कमलेश तो बीच में पढ़ाई छोड़कर पिछले करीब एक साल से ग्राम भिड़की कठौतिया में अपने मामा के घर रहकर बकरियाँ चरा रहा था, वहीं अमर सिंह भी पेट दर्द तथा अपनी बीमारी के बहाने की वजह से स्कूल नहीं आ रहा था। तकरीबन ऐसी ही कहानी अनिकेत, दुर्गेश और पंचम की भी थी। जो इधर-उधर घूमकर दिनभर खेलकूद में समय बिता देते थे, मगर स्कूल नहीं जाते थे। ऐसा भी नहीं कि किसी ने बच्चों को पुनः स्कूल भेजने उनके माँ-बाप और अभिभावकों से कहा न हो। कई बार कहने-सुनने के बाद भी बच्चे स्कूल आने को तैयार नहीं थे। इस स्थिति में जनशिक्षक अजय दुबे को अकस्मात् मुख्यमंत्री के ग्राम बिजौरा आने की सूचना मिली। बस उनके दिमाग में हरकत हुई कि क्यों न बच्चों को स्कूल लाने के लिए मुख्यमंत्री श्री चौहान की लोकप्रियता का इस्तेमाल किया जाये। बस इसी उम्मीद के सहारे जनशिक्षक ने बच्चों और अभिभावकों से संपर्क साधा और कहा मुख्यमंत्री जी तुम लोगों को किताब और बस्ता देने आ रहे हैं। उनके साथ तुम्हारी फोटो खिंचेगी। इतने दिन स्कूल नहीं आने पर भी मास्टर जी नहीं डांटेंगे, तब कहीं जाकर बच्चों ने स्कूल आने की हामी भरी।

छाया : सुरेन्द्र राजपूत

**शाला त्यागी बच्चों को बस्ता देते हुए मुख्यमंत्री**

बच्चों को किताब और बस्ता देते हुए मुख्यमंत्री ने बच्चों से कहा- खूब मन लगाकर पढ़ाई-लिखाई करो, प्रतिदिन स्कूल आओ और अपने साथियों को भी लाओ। यह मुख्यमंत्री के दौरे का असर था कि ये बच्चे प्राथमिक शाला पड़रिया जाने लगे हैं। मुख्यमंत्री की प्रेरणा से बच्चों ने खूब पढ़ने का प्रण भी लिया है।

**प्रस्तुतिः मनोज कुमार श्रीवास्तव**